Mr. Ranu Ranra
DOE
A.N.D. College

B.A. 1st year
Course
Unit 1
Topic: Nature & types of language

# NATURE & TYPES OF LANGUAGE

भाषा मानव भाव की अभिव्यक्ति का सर्वश्रेष्ठ साधन है जिसके अभाव में मानव पशु तुल्य है। व्यापक रूप में विचार विनिमय के समस्त साधनों को भाषा कहते हैं। भाषा ज्ञान प्राप्ति का प्रमुख साधन है। भाषा द्वारा ही किसी जाति या समाज का ज्ञान सुरक्षित रहता है, किन्तु भाषा पैतृक संपत्ति नहीं वरन अर्जित सम्पत्ति है। भाषा का अर्जन अनुकरण द्वारा होता है। भाषा का कोई अंतिम स्वरूप नहीं है, वह सतत परिवर्तनशील है। मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में भाषा का पर्याप्त हाथ है इसीलिए ए.पी. ने भाषा विज्ञान में लिखा है भाषा की कहानी सभ्यता की कहानी है जिस साधन से हम अपने भाव या विचार दूसरों तक पहुँचा सकें, वह भाषा है। भाषा की यह परिभाषा बहुत व्यापक है महर्षि पतंजलि ने कहा है कि भाषा वह व्यापार है जिससे हम वर्णात्मक या व्यक्त शब्दों द्वारा अपने विचारों को प्रकट करते हैं। सभी भाषा शास्त्री द्वारा दी गई भाषा की परिभाषा लगभग समान ही है। विश्वकोश ब्रिटैनिका ने परिभाषा दी है। भाषा उच्चारण अवयवों से उच्चारित यादृच्छिक (Arbitrary) ध्वनि प्रतीकों की वह व्यवस्था है जिसके द्वारा एक समाज के लोग आपस में भावों और विचारों का आदान प्रदान करते हैं

Scanned with CamScanner

भाषा के विभिन्न स्वरूप (Different types of language)

→ मातृभाषा (Mother language)

→ प्रादेशिक भाषा (Regional language)

→ विदेशी भाषा (Foreign language)

भाषा का स्वरूप

↓

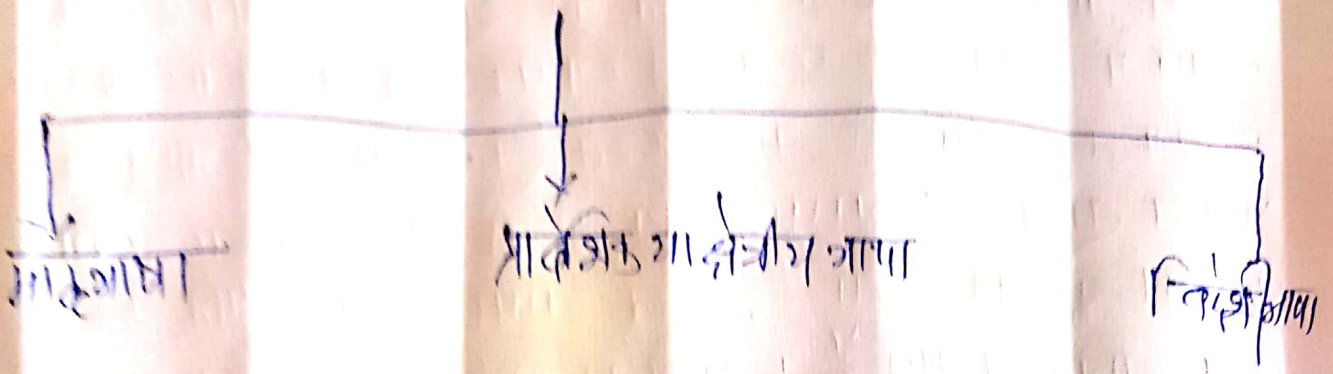

मातृभाषा | प्रादेशिक या क्षेत्रीय भाषा | विदेशी भाषा

→ मातृभाषा :-

बालक जब जन्म होता है उस समय उसमें संवेदना होती है वह प्रत्येक क्रिया के प्रति कुछ न कुछ प्रतिक्रिया करता है। वह अपनी माता के मुख से जो भी शब्द सुनता है उस पर क्रिया करता है। वह उसको जल्दी एवं शीघ्रता से सीखता है। इसलिए बालक जन्म से अपनी माता के मुख से जिस भाषा को सुनता है। उसे मातृभाषा कहते है।

→ प्रादेशिक भाषा :-

यह किसी प्रदेश या क्षेत्र की, बहुत की विशेषता, जो उस प्रदेश या क्षेत्र में रहता है, साधारणतया बोली जाने वाली भाषा है इसमें व्याकरण एवं शुद्धता का अभाव रहता है

→ विदेशी भाषा (Foreign language)

भोलानाथ तिवारी — एक आहिन्दी भाषी के लिए फारसी, अंग्रेजी, तमिल ये तीनों ही विदेशी भाषाएँ मानी जाएँगी व्यावहारिक दृष्टि से यह बात अटपटा है किन्तु भाषा वैज्ञानिक दृष्टि उचित : है (है) भारत में अधिकांश व्यक्ति अंग्रेजी को भी विदेशी भाषा के रूप में स्वीकारते हैं तथा प्रचलित मत भी ऐसा ही है।

Scanned with CamScanner